

प्रेषक,

जी०एस० पाण्डे,
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
रेशम विकास विभाग
प्रेमनगर, देहरादून।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग:-2

देहरादून: दिनांक ०१ दिसम्बर, 2009

विषय:-वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-30 के आयोजनागत पक्ष की राज्य सैक्टर की योजनाओं में प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-1712/रेशम/तक०अनु०/बजट/2009-10 दिनांक-03 अगस्त, 2009 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-30 के आयोजनागत पक्ष की राज्य सैक्टर की योजनाओं में कुल प्राविधानित रू०-4896 हजार के सापेक्ष लेखानुदान के माध्यम से पूर्व में आपके निर्वतन पर रखी गई रू०-844 हजार की धनराशि को घटाते हुए अवशेष रू०-4252 हजार (रू० बायालीस लाख बावन हजार मात्र) की धनराशि संलग्न विवरणानुसार व्यय हेतु आपके निर्वतन में रखे जाने की श्री राज्यपाल निम्नांकित शर्तानुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के लिये ही किया जायेगा एवं धनराशि का आहरण एवं व्यय वास्तविक आवश्यकतानुसार किशतों के किया जायेगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय परिव्यय/बजट जो भी कम हो, की सीमान्तर्गत किया जायेगा।
- 2- उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-515(1)/XXVII(1)/2009, दिनांक-28 जुलाई, 2009 (छायाप्रति संलग्न) में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
- 3- किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम) आय व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा, तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय सूचना प्रौद्योगिकी (I.T.) विभाग के शासनादेशों/दिशा-निर्देशों का भी पालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
- 4- निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक के आगणन/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक तथा वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ आगणनों पर सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति भी प्राप्त कर ली जाय।
- 5- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 6- व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।

..2/-

- 7- व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
- 8- योजनावार स्वीकृत धनराशि का व्यय सम्बन्धित योजना के संगत दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही किया जायेगा। किसी भी दशा में संगत दिशा-निर्देशों से इतर कार्यवाही नहीं की जायेगी।
- 9- लघु निर्माण कार्य व अन्य निर्माण कार्यो हेतु लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रचलित दरों पर ही आगणन गठित करके कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- 10- स्वीकृत की जा रही धनराशि विभागीय आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय जिससे फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न होने पाये।
- 11- यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि, अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का उपयोग अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों/ग्रामों में अथवा अनुसूचित जाति के लाभार्थियों हेतु ही किया जा रहा है।
- 12- सम्बन्धित योजनाओं में अग्रेत्तर घनावंटन का प्रस्ताव भेजने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि मोंग स्वीकृत योजना में इंगित उद्देश्य/लक्ष्यों के अनुरूप है तथा योजना व इंगित लक्ष्यों/उद्देश्य की प्रगति का मूल्यांकन कर लिया गया है। प्रस्ताव के साथ स्वीकृत योजना के उद्देश्य व लक्ष्यों एवं उसके सापेक्ष प्रगति तथा मूल्यांकन आख्या की प्रति उपलब्ध कराई जायेगी।
- 13- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-आयोजनागत-119-बागवानी एवं सब्जियों की फसलें-02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान के अन्तर्गत संलग्न विवरण में अंकित योजनाओं एवं उनकी सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
- 14- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-230 (P)/XXVII-4/2009,दिनांक-04 दिसम्बर 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(जी0एस0 पाण्डे)
अपर सचिव।

संख्या-⁴²³/XVI-2/09/7(21)/09, तददिनांक:

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
2. वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
3. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय/रा0 यो0 आयोग, उत्तराखण्ड।
5. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
7. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(राजेन्द्र सिंह)

उप सचिव।

शासनादेश सं०-423 /XVI-2/09/7(21)/2009 दि० ०९ दिसम्बर, 2009 का संलग्नक

रेशम विभाग के वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-30 के आयोजनागत पक्ष की राज्य सैक्टर की योजनाओं हेतु प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष अवमुक्त की जाने वाली धनराशि का मदवार विवरण।

(धनराशि हजार रुपये में)

क्र० सं०	अनुदान सं०-30 लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म- आयोजनागत-119-बागवानी एवं सब्जियों की फसले -02-अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान			
	मद का नाम	वर्ष 2009-10 हेतु कुल प्राविधानित धनराशि	लेखानुदान के द्वारा अवमुक्त धनराशि	अवमुक्त की जानी वाली धनराशि
1	0211-सहकारी समितियों को रेशम विकास हेतु कार्यशील पूंजी			
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	200	100	100
	योग 0211-	200	100	100
2.	0212-जैविक रेशम विकास			
	02-मजदूरी	50	33	17
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	20	7	13
	26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	30	10	20
	31-सामग्री और सम्पूर्ति	100	83	17
	योग :0212-	200	133	67
3.	0213-वृक्षारोपण विकास योजना			
	02-मजदूरी	50	33	17
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	50	27	23
	31-सामग्री और सम्पूर्ति	100	67	33
	योग :0213-	200	127	73
4.	0214-केन्द्र पोषित कैंटोलिक योजना			
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	300	200	100
	योग:0214-	300	200	100
5	0217-जनपद हरिद्वार में अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों में रेशम विकास			
	08-कार्यालय व्यय	50	17	33
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	2000	0	2000
	25-लघु निर्माण	1000	0	1000
	42-अन्य व्यय	776	0	776
	योग :0217-	3826	17	3809

6	0294-रशम प्रशिक्षण योजना			
	08-कार्यालय व्यय	40	13	27
	42-अन्य व्यय	80	27	53
	44-प्रशिक्षण व्यय	50	27	23
	योग : 0294	170	67	103
	महायोग	4896	644	4252

(रु० बायालीस लाख बावन हजार मात्र)

(जी०एस०पाण्डे)
^ अपर सचिव।